स्थानीय बोली के बाल गीत (जयपुर ग्रामीण)

1. चंदा

चंदा बाबा चांदी दे
घी गेहूं री बाटी दे।
आधी दे तो खाऊ कौने
सारी दे तो भावै कौने।

✿ ✿ ✿ ✿

मेह बाबा पाणी दे
घी गेहूं री बाटी दे।
आधी दे तो खाऊ कौने
सारी दे तो भावै कौने।

✿

सौजन्य : कल्प-ऐरिक शोध, एन सी ई आर टी

2. गीगा सोई

सोई रै गीगा सोई
थारी मां करै रसोई।
रसोई पीछै खाजा
थारा बाप दिल्ली रा राजा।

✿ ✿ ✿ ✿

सोई रै गीगा एक घड़ी
तूनै देद्यूं, सोने री लड़ी।
सोई...................
सोई रै गीगा, एक है पोर
तूनै मंगा दयूं, सोने रा मोर।
सोई...................

✿

3. सो जा रे

सो जा रे भाया (2)
सो जा रे भाया, सो श्श्श जा।

✿ ✿ ✿ ✿

थारी मां गई छै पाणी णै
ल्यावैली गुड़-धाणी णै।
सो जा रे...............
तूनै न देली, मूनै न देली
एकली गटकावली
पाछै भाया दूध पावली।
सो जा रे..............

✿

4. अटकण बटकण

अटकण-बटकण, दही चटोकण
मामो लायो सात कचौली।
एक कचौली फूट गी
मामा री ऐनक टूट गी॥

✿ ✿ ✿ ✿

मामा नै मनावां गे
दूध मलाई खावां ला।
कचौली हो गई साजी
मामा हे गयो राजी।

✿

5. मेह बाबा

मेह बाबा आ जा
खांड खोपरो खा जा।

✿ ✿ ✿ ✿

मेह बाबा परदेशी
अब के जमानो कर देसी।
मेह बाबा...............

टांकणी मा ढोकलो
मेह बाबा मोखलो।
मेह बाबा............

✿

6. लोरी

लल्ला-लल्ला लोरी
दूध री कटोरी।
दूध मुअ पतासो
लालो करै तमासो

✿ ✿ ✿ ✿

लल्ला-लल्ला लोरी
दूध री कटोरी।
दूध मुअ पतासो
लाली करै तमासो।

✿ ✿ ✿ ✿

7. खाण्ड खापरो

बाणियों बूढो डोकरो
दुवावै खांड खापरो।

✿ ✿ ✿ ✿

गोखां बैठे बड़ाई करै
टाबर छै पढाई करै।
बाणियों..............

पढ़ाई करबो चौखी बात
आपां जीमां दाल भात।
बाणियों..............

दाल भात मुअ घी घणों
टाबर ऊपर जी घणों।
बाणियों..............

✿ ✿ ✿ ✿

8. नींदड़ली

छाणे-माणे, छाणे-माणे आ जा नींदड़ली
चांदनी को घर ले के आ जा नींदड़ली
दादो सोवै छै, जीजी सोवै छै
सोवै छै बीरा, सोवै छै लाली।
छाणे-माणे.................

चांद बाबा साथ, तारां भरी रात छै
साथ मुअ मीठी-मीठी बाजे छै बांसुरी।
छाणे-माणे....................

✿

स्थानीय बोली के बाल गीतों की प्रत्येक पंक्ति में एक-दो मानक शब्द

1. चांद बाबा

चांद बाबा चांदी दे
घी गेहुं री बाटी दे।
आधी दे तो खाऊं नहीं
सारी दे तो भाए नहीं।

❀ ❀ ❀ ❀

बादल बाबा पानी दे
घी गेहुं री बाटी दे।
आधी दे तो खाऊं नहीं
सारी दे तो भाए नहीं।

सौजन्य : कल्प-ऐरिक शोध, एन. सी . ई .आर .टी

2. बच्चा सोए

सोई रे बच्चा सोई
तेरी मां करे रसोई।
रसोई बाद खा जा
तेरा बाप दिल्ली का राजा।
सोई रे बच्चा, सोई एक घड़ी।
तुझे दे दयूं, सोने की लड़ी।
सोई.............
सोई रे बच्चा, सोई एक पोर
तुझे मंगादयूं, सोने का मोर
सोई.............

3. सो जा रे

सो जा रे भैया (2)
सो जा रे भैया, सो श्श्श जा।

❀ ❀ ❀ ❀

तेरी मां गई है पाणी नै
लानो को गुड़ धानी नै।
सो जा रे..............
तुझे न देगी, मुझे न देगी
अकेले ही श्श्श गटकावली
पीछे भैया दूध पावली
सो जा रे..............

4. अटकन बटकन

अटकन-बटकन, दही चटोकन
मामा लायो सात कटोरी।
एक कटोरी फूट गई
मामा की ऐनक टूट गई।

❀ ❀ ❀ ❀

मामा को मनाएं गे
दूध मलाई खाएं गे।
कटोरी हो गई साजी
मामा हो गया राजी॥

5. बादल बाबा

बादल बाबा आ जा
खांड नारियल खा जा।

❀ ❀ ❀ ❀

बादल बाबा परदेसी
अब खुश कर देसी।
बादल बाबा..........
टांकणी में टोकरी
बादल बाबा घनघोरी।
बादल बाबा..........

6. लोरी

लल्ला-लल्ला लोरी
दूध की कटोरी।
दूध में पतासो
मुन्ना करे तमासो।

❀ ❀ ❀ ❀

लल्ला-लल्ला लोरी
दूध की कटोरी।
दूध में पतासो
मुन्नी करे तमासो।

7. खाण्ड-नारियल

बनिया बूढ़ो डोकरो
देता खांड खोपरो।

❀ ❀ ❀ ❀

छज्जे बैठे बड़ाई करे
बच्चे छै पढ़ाई करे।
बनिया.........
पढ़ाई करना चौखी बात
अपने जी मां दाल-भात।
बनिया.........
दाल भात में घी थणों
बच्चे उपर जी थणों।
बनिया.........

8. निंदिया

चुपके-चुपके, धीरे-धीरे आ जा निंदिया
चांदनी को घर ले के आजा निंदिया।

❀ ❀ ❀ ❀

पिता जी सोवें, माता भी सोवें
सोवे है, भैया, सोवे है गुड़िया।
चुपके-चुपके............
चंदा बाबा साथ है, तारों की बारात छै
मीठी-मीठी बाजे है बांसुलिया।
चुपके-चुपके..........

मानक हिन्दी में रूपांतरित स्थानीय बोली के बाल गीत

1. चंदा मामा

चांद बाबा चांदी दो
घी गेहूं की बाटी दो।
आधी दो तो खाऊं नहीं
सारी दो तो भाए नहीं।

❁ ❁ ❁ ❁

बादल बाबा पानी दो
घी गेहूं की बाटी दो।
आधी दो तो खाऊं नहीं
सारी दो तो भाए नहीं।

———— ❁ ————

सौजन्य : कल्प-ऐरिक शोध,
एन सी ई आर टी

2. बच्चा सोए

सो जा रे बच्चे सो जा
रसोई करती तेरी माता।

❁ ❁ ❁ ❁

रसोई बाद खा जा
तेरा बाप दिल्ली का राजा

❁ ❁ ❁ ❁

सो जा बच्चे, एक घड़ी
तुझे दे दूंगी, सोने की लड़ी।
सो जा.....
सो जा बच्चे, एक प्रहर
तुझे मंगा दूंगी, सोने का मयूर।
सो जा.....

———— ❁ ————

3. सो जा रे

सो जा रे भैया (2)
सो जा रे भैया, सो श्श्श जा।

❁ ❁ ❁ ❁

तेरी मां गई है लाने पानी
गई लाने को गुड़धानी।
सो जा रे.....
तुझे ने देगी, मुझे न देगी
अकेले ही वो खा ले गी।
पीछे फिर भैया दूध देगी।
सो जा रे.....

———— ❁ ————

4. अटकन बटकन

अटकण्न-बटकन, दही चटोकन
मामा लाए सात कटोरी।
एक कटोरी फूट गयी
मामा की ऐनक टूट गयी।

❁ ❁ ❁ ❁

मामा को मनाएं गे
दूध-दही खाएं गें।
कटोरी हो गई सही जी
मामा हो गए राजी जी।

———— ❁ ————

5. बादल बाबा

बादल बाबा आ जा
मिश्री-नारियल खा जा।

❁ ❁ ❁ ❁

बादल बाबा दूर से आए गा
अब वो खुश कर जाए गा।
बादल बाबा.....
छींके पे है टोकरी
बादल बाग घनघोरी।
बादल बाबा.....

———— ❁ ————

6. लोरी

लल्ला-लल्ला लोरी
दूध री कटोरी।
दूध में पताशा
मुन्ना करे तमाशा।

❁ ❁ ❁ ❁

लल्ला-लल्ला लोरी
दूध की कटोरी।
दूध में पताशा
मुन्नी करे तमाशा।

———— ❁ ————

7. मिश्री-नारियल

बनिया बूढ़ा अड़ियल
देता मिश्री-नारियल।

❁ ❁ ❁ ❁

छज्जे पे बैठे बड़ाई करते
बच्चे हैं देखो पढ़ाई करते।
बनिया.....
पढ़ाई करना अच्छी बात
हम हैं खाते दाल भात।
बनिया.....
दाल भात में घी बहुत
बच्चे पर है प्रेम बहुत।
बनिया.....

———— ❁ ————

8. निंदिया

चपुके-चुपके, धीरे-धीरे आजा निंदिया
चांदनी को घर ले के आजा निंदिया।

❁ ❁ ❁ ❁

दादा जी सोते हैं, माता भी सोती है
सोते है भैया, सोती है गुड़िया।
चुपके-चुपके.....
चंदा मामा साथ है, तारों भरी रात है
संग मीठी-मीठी बाजे है बांसुरिया।
चुपके-चुपके.....

———— ❁ ————